हम पांच नई वेदांता बनाने जा रहे हैं: अनिल अग्रवाल

मार्च 2026 तक 5 कंपनियों में बंटेगी वेदांता

भास्कर न्यूज | मुंबई

50 फीसदी प्रमोटर हिस्सेदारी, पेशेवर प्रबंधन होगा

तेल से लेकर मेटल और पावर तक कारोबार करने वाली वेदांता लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित डिमर्जर मार्च 2026 तक पूरा होने का लक्ष्य है। इसके बाद वेदांता समूह पांच स्वतंत्र और सूचीबद्ध कंपनियों में बंट जाएगी। चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि ये सभी कंपनियां 'प्योर-प्ले' होंगी और हर एक में आज की वेदांता जितना बड़ा बनने की क्षमता है।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण ने पुनर्गठन प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

डिमर्जर के बाद करीब 48,000 करोड़ रु. के कर्ज को सभी कंपनियों में उनके कैश फ्लो के हिसाब से बांटा जाएगा। हर कंपनी का अलग बोर्ड और प्रोफेशनल मैनेजमेंट होगा। प्रमोटर समूह का हिस्सा करीब 50% रहेगा, लेकिन रोजमर्रा के संचालन में उनकी सीधी भूमिका नहीं होगी। अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि वे सभी कंपनियों के चेयरमैन नहीं होंगे।

डिमर्जर के बाद बेस मेटल्स का कारोबार वेदांता लिमिटेड में रहेगा, जबकि वेदांता एल्युमिनियम, तालवंडी साबो पावर, वेदांता स्टील एंड आयरन और माल्को एनर्जी अलग-अलग नई सूचीबद्ध कंपनियां होंगी। अग्रवाल ने कहा कि डिमर्जर का मकसद जिंक, एल्युमिनियम, बिजली, लौह अयस्क और स्टील जैसे कारोबारों की पूरी क्षमता को खोलना है।